चौड़ीकरण की जिद शहर की जरूरत भी है

RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 10 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 12 अगस्त 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

हल्द्वानी के 13चौराहों का सौन्दर्यीकरण के साथ पुराने चिन्हित पेड़ों के रिलोकेट करने की प्रक्रिया

सावधान! बारिश में नदी-नाले उफनाए

इस बार की बरसात ने रुक-रुक कर जो रौद्र रूप दिखाया है, वह ज्यादा नुकसान करने वाला है। बारिश से नदी नाले उफनाने और भूस्खलन से अभी कई रास्ते दिक्कत वाले बने हैं। बारिश के दिनों में यात्रा करने वाले यात्री सावधान रहें। मौसम विभाग, प्रशासन, आपदा प्रबन्धन टीम की ओर से बार-बार चेतावनी भी दी जा रही है।

आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करते हुए मुख्यमंत्री ने बन्द हो रही सड़कों की तत्काल मरम्मत और आपदा के दौरान अधिकृत जेसीबी पर जीपीएस की व्यवस्था को प्रभावी बनाने की बात भी कही। अतिवृष्टि से प्रभावित लोगों और केदारनाथ धाम का मार्ग अवरुद्ध हो जाने के कारण फंसे श्रद्धालुओं के बीच जाकर सीएम ने हाल जाना।

इस बीच राज्यसभा सांसद महेन्द्र भट्ट ने सदन में चर्चा के दौरान उत्तराखण्ड के लिये आपदा राहत राशि बढ़ाने की मांग की। कहा विषम भौगोलिक परिस्थिति देखते हुए मानकों में बदलाव का अधिकार भी दिया जाए।

मल्ला जोहार में पुल बहने से दुश्वारी

मुनस्यारी। उच्च हिमालयी मल्ला जोहार में गोरी नदी और मर्तोली गाड़पर पुल नहीं होने से ल्वां और टोला गाँव सम्पर्क से कटे हुए हैं। बुर्फू खाद्यान्न गोदाम से इन ग्रामों को सामग्री नहीं पहुंच पा रही है। मल्ला जोहार विकास समिति ने ल्वां एवं बुर्फू से टोला, खिलांच गाँव को सम्पर्क स्थापित करने हेतु नदी के ऊपर पुल निर्माण करने की मांग की है।

चामी भैंसकोट के 7 परिवार खतरे में

नाचनी। क्षेत्र में मूसलाधार बारिश और बिजली गिरने से चामी भैंसकोट में पहाड़ी से भारी भूस्खलन हुआ। जिससे 7 परिवार खतरे की जद में आ गये और उपजाऊ भूमि मलबे से पट चुकी है। हरड़िया के नया बस्ती में मलबा बोल्डर गिरने से सड़क खतरनाक बनी हुई है।

भट्टीगांव-आमथल में बोल्डर बरसात

थल। भट्टीगांव से वाया दड़मोली आमथल प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क छुरमल थल के पास दिक्कतभरी बन चुकी है। यहाँ बोल्डरों की बरसात होने से आवागमन में ग्रामीणों को परेशान होना पड़ रहा है। भट्टीगांव से लकड़ीगाड़ तक सड़क खराब है। इस सड़क से गोल, लेजम, कौली, चामी, भनारकोट, कमद,

पेड़ों को रिलोकेट करने की प्रक्रिया और परिणाम

आमथल, गडेरा, भुरोला, सुनेती, दड़मोली, अघौली, चौंसाला, कोटगाड़ी सहित 36 से अधिक गांवों के लोग आवागमन करते हैं।

तल्ला गांव में मकान जमींदोज

धारचूला। बलुवाकोट के तल्लागांव में भूस्खलन से तुलाराम का मकान जमींदोज हो गया। समय रहते परिवार के सदस्य सुरक्षित स्थान पर चले गये अन्यथा जानमाल का खतरा था। इनका घरेलू सामान, बर्तन, राशन, कपड़े सब मलबे में दब गया। भूस्खलन में त्रिलोक राम के मकान को भी नुकसान हुआ है। घटना स्थल पर पुलिस और एसएसबी के जवानों सहित एसडीएम पहुँचे। प्रभावितों को भोजन, वस्त्र दिये गये।

लुखनी बैंड में भारी भूस्खलन

अस्कोट। टनकपुर-तवाघाट राष्ट्रीय राजमार्ग अस्कोट बेड़ा के बीच लखुनी बैंड के पास पहाड़ी दरकने से मलबा भर गया जिससे यातायात में दिक्कत है। बीआरओ ने सड़क खोल कर

शेष अन्तिम पृष्ठ पर

कार्यालय प्रतिनिधि

हल्द्वानी शहर में पिछले 5 महीनों से हलचल मची हुई कि सड़कें चौड़ी होंगी, फ्लाईओवर बनेगा, चौराहे बहुत बड़े दिखाई देंगे, सुविधा काम्प्लेक्स बनेंगे, सजावट होगी, सकरे रास्ते भी चौड़े होंगे, फुटपाथों को साफ-सुथरा किया जायेगा, ठण्डी सड़क को पैदल यात्रियों के लिये सुधारा जायेगा, पार्किंग सुविधा के लिये जगह होगी. .....। इतना सब होने के लिये जगह तो वही है जो पुरानी है। ऐसे में तोड़फोड़ होनी है और वह सबकुछ होना है जिसको देख-सुन अजीब सा लग सकता है लेकिन सच्चाई भी है कि यदि अतिक्रमण है, नाली-नाले घेरे गये हैं, खड़ञ्जे कब्जे में हैं तो उन्हें हटना चाहिये। हटाने की इस प्रक्रिया में उन्हें जरूर कष्ट होगा जो वर्षों से अपने आप में जमे-जमाये हैं। यह प्रशासन की जिद मानी जा रही है कि वह टीम के साथ तोड़-फोड़ पर उतर आया है परन्तु सच्चाई तो यह भी है कि व्यवस्थित शहर के लिये यह जिद, जरूरत भी है। सारे बिन्दुओं को देखने जाँचने के बाद प्रशासन ने हथौड़ा उठाया है।

जनसंख्या के दबाव के दब चुके हल्द्वानी में सड़कों, चौराहों का चौड़ीकरण जिद से ज्यादा जरूरत के रूप में देखा जाना चाहिये। यह जरूर है कि वर्षों पुराने पेड़ों के कटने का दु:ख सबको होगा, सड़क से लगे धार्मिक स्थलों को शिफ्ट करने तक मन बेचैन होगा, पुरानी देखी हुई दुकानों को हटता देख परेशानी होगी लेकिन यह सब तो होना ही है। इसलिये हल्द्वानी के पुराने ढांचे को देख चुके लोगों को इस बात के लिये तैयार हो जाना चाहिये।

सड़क चौड़ीकरण और सौन्दर्यीकरण के लिये सिलसिलेवार अभियान जारी है। पहले उन सरकारी सम्पत्तियों (भवनों) पर हथौड़ा चला जो सड़क के पास थीं, इसके बाद पेड़ों की कटाई-छंटाई का नम्बर आया। याने वह सब होना ही है जो इस अभियान में जरूरी होगा। प्रशासन और लोनिवि के द्वारा 13 चौराहों में रोड चौड़ीकरण करने के दौरान बड़ी संख्या में चौड़ीकरण की जद में आ रहे बड़े और सालों पुराने पेड़ों को काटने के कारण पर्यावरण प्रेमी और स्थानीय जनता की जन भावनाओं के अनुरूप प्रशासन ने 40 चिन्हित बड़े और पुराने पाखड़ और नीम के पेड़ों को रिलोकेट करने की प्रक्रिया शुरू की है। प्रशासन और लोनिवि की यह कोशिश सफल रही है, जिससे हल्द्वानी से कुछ दूर हल्दूचौड़ में बन रही गौशाला की जमीन में बीते दिनों हल्द्वानी काठगोदाम के नरीमन चौराहे के समीप तेज आंधी के चलते टूट कर निर्जीव हो चुका सालों पुराने जिस पेड़ को लोनिवि और प्रशासन ने ट्रान्सप्लान्ट किया गया था, वो निर्जीव पेड़ फिर से पुनर्जीवित हो चुका है, जिसमें हरी पत्तियां भी निकलना शुरू हो गयी है। इससे प्रशासन और लोनिवि की पेड़ों को पुनर्जीवित होने की उम्मीद और भी पक्की हुई है, वहीं सिटी मजिस्ट्रेट ए.पी. बाजपेयी ने आने वाले समय में पेड़ों के ट्रान्सप्लान्ट करने की पूरी प्रक्रिया की जानकारी देते हुए कहा कि चिन्हित किये गए 40 पेड़ों को जो रोड चौड़ीकरण की जद में आने के कारण हटाए जा रहे हैं उन्हें ट्रान्सप्लान्ट के जरिए नया जीवन दिया जा सकेगा जो हम सबके लिये एक सुखद अनुभव है।

हल्द्वानी, काशीपुर समेत चार शहरों के मास्टर प्लान पर रोक

देहरादून। शासन ने हल्द्वानी, ऋषिकेश, काशीपुर और रुद्रपुर के मास्टर प्लान पर रोक लगा दी है। जाँच समिति की रिपोर्ट आने के बाद इनमें निर्णय होगा। हाल ही में सचिव आवास आर.मीनाक्षी सुन्दरम ने जाँच के लिये तीन सदस्यीय कमेटध की है। दूसरी ओर अमृत-1 के तहत देहरादून, हरिद्वार, रुड़की, रुद्रपुर, काशीपुर और नैनीताल के लिए मास्टर प्लान के ड्राफ्ट तैयार किये जा रहे हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

कोचिंग संस्थानों के मानक

इन दिनों में कोचिंग संस्थाओं के मानक को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं और ताबड़तोड़ छापेमारी हुई है। दिल्ली के एक कोचिंग सेन्टर में हुए हादसे के बाद यह सब कार्रवाई हो रही है।

सीधा सवाल है कि जब कोई हादसा होता है तभी मानक पर चर्चा क्यों होती है? कोचिंग के नाम पर अनगिनत सेन्टर चल रहे हैं। कोचिंग सेन्टर चलना-चलाना कोई बुरी बात नहीं है। बहुत सारे मामलों में देखा गया है कि बहुत जानकार लोग कोचिंग संस्थान चलाकर युवाओं का भविष्य संवार रहे हैं। यह भी है कि बढ़ती बेरोजगारी में कई ने कोचिंग/ट्यूशन/प्रशिक्षण संस्थान शुरू कर रखे हैं। एक बेरोजगार के सामने किराये पर जगह लेकर कोचिंग चलाना या किसी प्रकार अन्य काम करना बहुत कठिन होता है। संसाधनों की कमी में जैसे-तैसे कार्य शुरू किया जाता है और यदि वह सफल हो गया तो ठीक वर्ना पढ़े-लिखे बेरोजगार फिर से परेशान होते हैं। शहरों में कोचिंग पढ़ाने की होड़ में सैकड़ों बच्चे कोचिंग जाते हैं। इनमें क्या होता है? यह सब देखना चाहिये। पार्किंग सुविधा, सुरक्षा की लिहाज, संचालकों के बारे में पूरी जानकारी जरूरी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली स्थित कोचिंग सेन्टर के बेसमेंट में पानी भरने से हुए हादसों का संज्ञान लेकर उत्तराखण्ड में भी कोचिंग सेन्टरों की जाँच के निर्देश दिए हैं। सीएम ने कहा कि कोचिंग सेन्टरों अध्ययनरत छात्रों एवं अध्यापकों आदि के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी स्थलीय निरीक्षण किया जाए। सीएम ने मुख्य सचिव को प्रदेश व्यापी अभियान चलाने और कोचिंग सेन्टरों में पार्किंग व्यवस्था व आसपास यातायात की सुगमता पर भी ध्यान देने को कहा। इसके बाद मुख्य सचिव ने भी जिलाधिकारियों को आदेश दिये और चारों ओर स्थलीय निरीक्षण होने लगा और मानक पूरा न होने पर कई जगह ताले जड़ दिये गये हैं।

कोचिंग सेन्टरों का कुशल संचालन हो और यह भी निगरानी हो कि इसमें जाने वाले कोई छात्र-छात्राएं गलत दिशा में तो नहीं भटक रहे हैं। आज मानकों की बात करने वालों को इस पर गम्भीरता से विचार करना चाहिये।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

कैलिफोर्निया युवा आयोग में नियुक्ति

वाशिंगटन। कैलिफोर्निया के गवर्नर गविन न्यूसम ने भारतीय-अमेरिकी मूल के नेताओं राज भूटोरिया और अवंती रामराज को अपने युवा सशक्तीकरण आयोग में नियुक्त किया है। औपचारिक रूप से 2023 में स्थापित यह आयोग नागरिक, विशेष रूप से अलग-थलग एवं वंचित युवाओं के लिए सहभागिता के सार्थक अवसर प्रदान करता है।

तालिबान ने दूतावास से जुड़ी सेवाएं बन्द की

इस्लामाबाद। तालिबान ने विदेश में स्थित कई अफगान राजनयिक मिशन को अस्वीकार करते हुए कहा कि वह अफगानिस्तान में पश्चिमी देशों द्वारा समर्थित पूर्व प्रशासन से जुड़े राजनयिकों की ओर से जारी पासपोर्ट, वीजा और अन्य दस्तावेजों को मान्यता नहीं देगा। यूरोपीय एजेंसी की कई सेवाओं को भी बन्द कर दिया गया।

तुर्की में 13 आतंकियों को मार गिराया

अंकारा। तुर्की बलों ने उत्तरी इराक में चलाए गए एक अभियान में प्रतिबन्धित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी के 13 सदस्यों मार गिराने का दावा किया है। यह जानकारी तुर्की रक्षा मंत्रालय ने देते हुए कहा कि यह अभियान इराक के गारा और हफ्तानिन क्षेत्रों में चलाया गया।

चीनियों से कारोबार में सावधानी बरतें

बीजिंग। भारत ने चीन की संस्थाओं के साथ कारोबार करते वक्त पर्याप्त सावधानी बरतने की सलाह दी है। चीन में भारतीय दूतावास ने उन छोटे मध्यम भारतीय उद्यमों के लिए व्यापार सलाह अपडेट की है जो चीनी कम्पनियों के साथ व्यापार कर रहे हैं।

भारत-वियतनाम मुक्त व्यापार संभावनाएं तलाश

नई दिल्ली। वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह ने भारत के साथ आर्थिक सहयोग मजबूत करने के लिये मुक्त व्यापार समझौते की सम्भावनाएं तलाशने का अनुरोध किया। चिन्ह एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमण्डल के साथ भारत यात्रा पर पधारे थे।

म्यांमार के फर्जी नौकरी रैकेट में हस्तक्षेप हो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने म्यांमार के फर्जी नौकरी रैकेट मामले में विदेश मंत्रालय से राजनयिक हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। उन्होंने विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर को इस बारे में पत्र लिख भारतीय दूतावास की एडवाइजरी का भी हवाला दिया है।

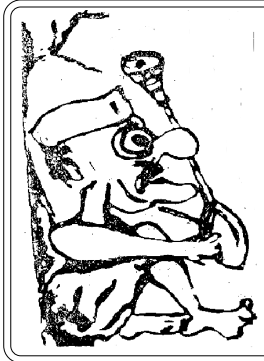

फसक

दाज्यू, गुड़-गोबर सब समान हो गया ठैरा

थप्पड़, लात-घूसे, दुष्कर्म, लूटपाट का युग आ गया है बल

दाज्यू, कलजुग चल रहा है तो हमें पता था लेकिन बुतका कह रहे हैं- 'यह कलजुग का चरम है।' हमें भी लगने लगा है जमाने में धुंध छा चुकी है। दाज्यू, थप्पड़, लात-घूसे, दुष्कर्म, लूटपाट का युग आ गया है बल। स्कूल-कालेजों में प्रवेश लेने के लिये जाने वाले विद्यार्थी घर से पिठ्या लगाकर जाते थे, गुरुजनों का आदर होता था। अब कहाँ? सब गुड़-गोबर सब समान हो गया ठैरा। सब अपनी अपनी ढपली बजा रहे हैं। जग्गन और भुतिया कालेज का मतलब एनएसयूआई और एबीवीपी समझ बैठे हैं।

बागेश्वर में बीडी पाण्डे कैम्पस में छात्र गुटों की जूतम-पैजार के अलावा गुरु पूजन में प्राध्यपक के थप्पड़ जड़ दिया गया। कैम्पस में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का गुरु पूजन चल रहा था बल। उस दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ता भी पहुँच गये और आपस में दे-मार-दे-मार शुरू हो गई। उसके बाद अन्तरी-मन्तरी फोन पता नहीं क्या हुआ होगा, मारपीट के चक्करबाजी में 5 जुवा नेता पुलिस ने दबोच लिये। मामला चुप कहाँ से होता। एनएसयूआई वालों ने भाजपा सरकार का पुतला फूंकते हुए एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाया। उन्होंने छात्रसंघ अध्यक्ष सहित अन्य छात्रों को रिहा करने और एबीवीपी के कार्यकर्ताओं पर भी कार्रवाई की मांग की।

दाज्यू, जिधर देखो वहीं गजबज है। गोविन्द बल्लभ पन्त विश्वविद्यालय में छात्राओं से छेड़छाड़ के आरोपी प्राध्यापक को निलम्बित करते हुए जाँच करवाई जा रही है। बड़ा विश्वविद्यालय ठैरा इसलिये राक्षस्योव भी ज्यादा ही होने वाली हुई। अनुशासन का पाठ इस कलजुग में कौन समझ रहा है? कुछ कहते ही भौं चटक जाने वाले ठैरे। राजीव गांधी नवोदय विद्यालय चौनलिया में सीनियर छात्रों ने कपड़े न धोने पर जूनियरों की पिटाई कर दी। हंगामा मचने के बाद 4 छात्र निष्कासित कर दिये गये हैं।

सावन की रिमझिम में भक्तों से ज्यादा सख्त लोग दिखाई दे रहे हैं। सरकार कहती है कांवड़ियों पर फूल बरसाओ ठण्डा पानी पिलाओ और पुलिस इन्हें सुरक्षा देती है लेकिन उपद्रव मचाने वालों का क्या होगा? हरिद्वार-दिल्ली राजमार्ग पर चेकिंग कर रहे पुलिस क्षेत्राधिकारी पर कांवड़ यात्रियों ने बाइक चढ़ा दी। गम्भीर रूप से घायल सीओ को मैक्स अस्पताल देहरादून भर्ती कराया गया। आरोपित कांवड़ यात्री फरार हो गया। कांवड़ यात्रा के अन्तिम दिन देर रात को कार्वाड़ियों ने पथराव कर डाला। इसमें चण्डी चौकी प्रभारी के हाथ में चोट आई। दाज्यू, ये सब कलजुग के भक्त ठैरे। इधर रुद्रपुर में सीएम राहत कोष चेक में दलाली मांगने वाले दो आरोपी पुलिस ने पकड़ लिये हैं। वर्षा-बाढ़ में पीड़ितों को 5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है, इसमें भी तीन हजार रुपये दलाल मांग रहे थे बल।

दाज्यू, बाजपुर में एक निजी स्कूल की शिक्षिका ने युवक पर उसके साथ स्कूल आते-जाते समय पीछा कर छेड़छाड़ करने और घर में घुसकर जोर जबरदस्ती करने का आरोप लगाया है। बन्नाखेड़ा ने पीड़ित शिक्षिका के मामले में युवक की छानबीन की है। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कनालीछीना में तैनात प्रभारी चिकित्साधिकारी पर एक सीएचओ ने छेड़खानी का आरोप लगाया है। इसमें भी जाँच होनी है। दाज्यू, मोहल्ले से लेकर जिला प्रदेश तक जाँच में घिरा है। बरसात का सीजन तो बीत जायेगा लेकिन इनका क्या होने वाला है।

सल्ट के विधायक महेश जीना और उनके परिवार को ही जान से मारने की धमकी मिली है। जीना के पुत्र करन ने भतरौंजखान थाने में तहरीर दी कि हंसा उर्फ हर्ष सिंह नेगी ने मोबाइल पर फोन कर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। दाज्यू, सल्ट में बहुत गजबज होती रही है, क्या होगा इलाके का?

होना भी क्या ही है। जन प्रतिनिधि भी गजबऽऽ हो रहा है कहा। लोकसभा प्रश्नकाल के दौरान सड़क परिवहन राज्य मंत्री अजय टम्टा अध्यक्ष ओम बिरला के समझझने के बाद भी सवाल नहीं समझ पाए। ऐसे में स्पीकर ने उन्हें बीच में ही उैठने को कह दिया। करौली धौलपुर के सांसद भजन लाल जाटव ने पूछा था कि राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का मापदण्ड क्या है? इसके उत्तर मे अपने मत्री जी बोले यह महाराष्ट्र के सन्दर्भ में सवाल है। फिर टोकने पर मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाने लगे। दाज्यू, सब गजबजाट में हैं, ऐसे में क्या होने वाला ठैरा।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

जवाहर ज्योति दमुवाढूंगा मालिकाना हक मसला

दीपक बल्यूटिया ने घेरा बंशीधर भगत को

हल्द्वानी। जवाहर ज्योति दमुवाढूंगा की जमीन पर मालिकाना हक को लेकर वर्षों से जारी बहस का राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश होती रही है। दिग्गज नेता एन.डी.तिवारी के समय भी इस भूमि पर मालिकाना हक को जलसे, सभा, प्रदर्शन, नारेबाजी होते रहे हैं। अब वर्तमान में कांग्रेस प्रवक्ता दीपक बल्यूटिया ने पूरे प्रकरण को लेकर जिस तरह से आगे बढ़े लोग उनसे जुड़ने लगे। इस बीच कालाढूंगी के विधायक बंशीधर भगत ने भी राग अलापा तो कांग्रेस-भाजपा पक्ष बनकर आमने सामने दिखाई दे रहे हैं लेकिन सच है कि दीपक के घेरे में यह घिर चुके

बात शुरू होती है हल्द्वानी की जमीन घेराबाड़ी से। बागों के अलावा यत्र-तत्र भूमि घेर कर बैठने वालों की लम्बी सूची हल्द्वानी में है। इसमें दमुवाढूंगा क्षेत्र भी है। जब बस्ती बनने लगी नेता, सरकार चुप रही। इसके बाद भूमि पर मालिकाना हक का सवाल उठा। वैध-अवैध कौन पूछे? चुनाव में वोट देखने वाले सिर्फ वोट और भीड़ की पहचान करने लगे।

इस पूरे मसले को अपने बचपन से देख और समझ रहे कांग्रेस प्रवक्ता दीपक बल्यूटिया ने जिस खूबी से उठाया, इलाका उनका दीवाना हो गया। वह कहते हैं कि उनकी ओर से दायर जनहित याचिका से भाजपा बैकफुट पर आ गई है। जवाहर ज्योति दमुवाढूंगा के लोगों को मालिकाना हक दिलाने के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने दिसम्बर 2016 में सर्वेक्षण और अभिलेख प्रक्रियाएं सम्पादित करने लिए अधिसूचना जारी की गई थी। 13 मई 2022 को तत्कालीन भाजपा सरकार ने उस पर रोक लगा दी। जनता की मालिकाना हक मिलने की उम्मीद टूटने के बाद उन्हें सरकार के निर्णय के खिलाफ न्यायालय की शरण में जाना पड़ा। यह सब बातें जनता भली भाँति जानती है।

दूसरी ओर विधायक बंशीधर भगत सक्रिय होने लगे हैं। उनके नेतृत्व में मुख्यमंत्री से मिलने गए भाजपाईयों ने दमुवाढूंगा क्षेत्र के 35, 36 व 37 वार्ड की बन्दोबस्ती की कार्यवाही कर मालिकाना हक प्रदान करने के लिए प्रस्ताव सौंपे। भगत बताते हैं कि सीएम ने मामले में तत्काल आदेश कर मुख्य सचिव को शीघ्र समस्या के निवारण का आदेश दिया।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

संस्कृति

छिरा-छिरा उच्चारित शब्द तथा रं समाज का भावपूर्ण जीवन दर्शन

जगदीश बृजवाल

रं समाज की अपनी संस्कृति-सभ्यता लोकगीत, लोकसाहित्य, लोक कथाओं के माध्यम से उजागर हो जाती हैं। कभी प्रकृति देव-देवी स्तुति तो कभी भाव-विभोर होकर गीत के स्वरों द्वारा जीवन रंगीला -रसीला बनाने का गुण परम्परागत विकसित हैं। बालक, युवा, महिला, पुरुष जहाँ अच्छे गीतकार, संगीतकार गायककार, नृत्यकार भी है।

मार्ग में चलते-चलते जब कभी किसी व्यद्रि ने छिराऽऽऽ शब्द को उच्चारित कर दिया तो अवश्य दुसरा व्यक्ति गुनगुनाने लगता है तीसरे व्यक्ति का पांव स्वत: थिरकने लगता है सभी जीवन दर्शन गीत संस्कारों में विद्धमान है।

मंगल गीत प्रारम्भ से पूर्व छिरा शब्द जो प्रमुख स्थान रखता है। छि= उम्र.रा= आ अर्थात आयुष्मान भव:(दीर्घायु को प्राप्त हो) जिन शब्दों से लोकगीत का शुभारम्भ किया जाता है।

संस्कृति के विभिन्न गीत, ऐतिहासिक, बाज्यू, कृषि मुलक, प्रेमाख्यान, प्रकृति वर्णन, बालगीत, सामुहिक, समस्या प्रधान, घटना प्रधान समाज में हर विषय जानकारी सन्देश उल्लासमय जीवन को प्रेरित, प्रेरणा देती है।

कल्ला-मल्या बैलों से सम्बन्धित जोड़ी गीत, व्यास मुनि पूजन तथा एक प्रधान कृषि मूलक गीत हैं, बाज्यू गीत गर्जना से उत्साहित होकर गाये जाने वाला गीत वीरता प्रधान, साहस हिम्मत को जागृत करता है। अपने पालतू पशुओं की सलामती हेतु यह गीत गाया जाता है।

रं समाज में प्रेमाख्यान गीत की कुछ अधिकता है गीतों की प्रश्नोत्तरी, तुकबंदी में कोई सानी नहीं है। विरह गीत- 'इन बौथे परदेश पीलं ल्यिक्यी अं तरश्यिदै मुनि माया मारी बुगे , हेला सारै मश्युतिमी इन्गे मीदे नासु रंय रुगै-रुग' अर्थात आपका वियोग, मेरा यह छोटा सा उपहार आपको अवश्य याद रहेगी। मर्मस्पर्शी भाव जीवन को सम्वेदनशील बनाने का कार्य बखूबी करती हैं

लोकगीत, लोकसाहित्य, कथा-कहानियां, आन, औखान ने समाज को समृद्ध, सुदृढ़ बनाये रखने में अहम भूमिका निभाई है समाज की सुव्यवस्थित, सुसंगठित रीतिबद्ध प्रथाएं जीवन को उल्लामय बना देती हैं। अतीत में भारतीय समाज अन्धविश्वास, रूढ़िबद्ध धारणा की कहानियां बताती हैं, नारी दुर्दशा की पटकथाएं लिखी जाती थी। वही रं समाज में नारी सम्मान का उच्च दर्शन देखा गया है। जहाँ की नारी खिलखिलाकर, हर्षोल्लास के साथ पुरुष प्रधान समाज में प्रशन्नता से जीवन व्यतीत करती रही। आदर्शवादी समाज ने सदैव सम्बन्ध, रिश्तों का कद्र ही किया है जहाँ के छिराऽऽ शब्द ने 'जिओ और जीने दो' का प्रतीकात्मक रूप धारण कर प्रेरित, प्रेरणास्त्रोत का कार्य किया है, जिसकी भूरि-भूरि प्रसंशा होनी चाहिये।

पुस्तक समीक्षा

व्यवहारिक-सैद्धान्तिक पक्ष के साथ सीमांत विकास के लिये भूपाल सिंह मर्तोलिया ने रची 'अभिलाषा'

सीमान्त गाँव मर्तोली में जन्मे भूपाल सिंह मर्तोलिया ने 34 वर्षों तक देशके विशिष्ट बल आईटीबीपी में सेवा और अपने प्रतिनियुक्ति के दौरान संयुक्त राष्ट्र के अन्तरिम प्रशासन मिशन कोसोवो में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने बाद दिल्ली विकास प्राधिकरण में तीन वर्ष तक जाँच अधिकारी के पद पर कार्य किया। अपने इस दीर्घ अनुभव में उन्होंने दूरस्थ क्षेत्र से लेकर जितनी सुगम जिन्दगी को देखा और जिया है, उसमें वह हमेशा लचीला होते हुए भी सिद्धान्तों में बने रहने की बात करते रहे हैं। यही कारण है एक लेखक के हैसियत से उन्होंने जिन भावों को 'अभिलाषा' नामक पुस्तक में पिरोया है वह सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ व्यवहारिक पक्ष को मानने का मंत्र देते हैं। देश के ज्वलन्त मुद्दों और उनके निवारण हेतु अपने व्यवहारिक अनुभवों से सम्बन्धित विभागों को अवगत कराना और समाधान हेतु सुझाव देना उनका जुनून रहा है। वह कहते हैं- सैद्धान्तिक ज्ञान और व्यवहारिक अनुभव एक दूसरे के पूरक हैं। उनके द्वारा समय-समय पर उठाये गये मुद्दों और उनके निवारण हेतु दिये गये सुझावों को इस पुस्तक में संकलित किया गया है ताकि इसका लाभ समाज को मिल सके। इसमें पलायन, वाहन दुर्घटना, भर्ती चयन प्रक्रिया, सीमान्त की सड़कों का हाल, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, मर्तोली का परिचय, आपदा, भारतीय चुनाव, आईटीबीपी में तैनाती, डिजिटल इण्डिया जैसे विषयों को चुना गया है।

विषम भौगोलिक परिस्थिति एवं अनिश्चित मौसम वाले पर्वतीय प्रदेश उत्तराखण्ड में पलायन पर लेखक ने लिखा है- 'उत्तराखण्ड को पलायन एक लाईलाज बीमारी की तरह प्रभावित कर रहा है।' उनके सुझाव है कि हमें अपनी अवधारणा बदलनी होगी। निवारक कार्यवाही को अमल में लाना होगा। गाँव गोद लेना, स्वास्थ्य सुविधा, पैरा मेडिकल स्टाफ, शिक्षा, संचार, सड़क, पैदल मार्ग, खाद्य एवं फल संरक्षण बिन्दु पर लेखक ने अपने अनुभव साझा किये हैं।

वाहन दुर्घटना शीर्षक पर लेखक ने आंकड़ों के साथ बात करते हुए लिखते हैं- सड़क दुर्घटना किसी मानव निर्मित आपदा से कम नहीं है। अत: सड़क दुर्घटना को कम करने की जिम्मेदारी भी मानव की ही होनी चाहिये।

आईटीबीपी सिपाही की भर्ती चयन प्रक्रिया में लेखक ने जिस प्रकार से जानकारी दी है वह उन युवाओं के लिये लाभकारी है जो इस दिशा में जाना चाहते हैं।

मुनस्यारी-बोगड्यार-मिलम सड़क पर लेखक ने अपने अनुभव और सीमान्त की भौगोलिक स्थितियों को देखते हुए महत्वपूर्ण संकेत दिये हैं। सड़क के लिये डीजी से उत्तराखण्ड जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष एवं पूर्व आईजी गणेश मर्तोलिया की बातचीत सहित कई रिकार्ड इसके समर्थन में दिये हैं। सामरिक दृष्टि से इस सड़क को अति आवश्यक मानते हुए उम्मीद की है कि इससे पर्यटन को भी अपार पंख लगेंगे।

भारत-तिब्बत व्यापार तथा गुलेर-मुनस्यारी-मर्तोली-मिलम-किंग्री विंग्री पैदल मार्ग सम्बन्धी महत्वपूर्ण लेख मर्तोलिया जी ने लिखा है। (इस लेख को पिघलता हिमालय पृथक से प्रकाशित करेगा।)

वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से वन मंजूरी लेख में वन अधिनियम की चर्चा के बाद लेखक ने वन मंजूरी प्राप्त करने में हो रही देरी के कारण लाभकारी योजनाओं के उलझने की बात कही है। उनका मानना है कि पर्यावरण मंत्रालय द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों का सख्ती से अनुपालन किया जाय तो वन मंजूरी मात्र 60 से 90 दिन के अन्दर सम्भव है। 'मर्तोली गाँव' को लेकर लेखक ने जो जानकारी दी है वह स्वाभाविक रूप से उनका अपनी जन्मभूमि के लिये प्यार दर्शाता है। अपादा, भारतीय चुनाव, आई. टी.बी.पी. में तैनाती, डिजिटल इण्डिया जैसे विषयों पर 'अभिलाषा' में सारगर्भित लेख ज्ञानवर्द्धक हैं। **-समीक्षक**

ज्योतिष की बातें- 190

16 अगस्त 2024 को सूर्य अपनी ही राशि सिंह में प्रवेश करेगा। वहाँ पर शत्रुग्रह शनि की क्रूर दृष्टि भी पड़ेगी। अत: कुल मिलाकर सूर्य अत्यन्त शुभ रहेगा। सूर्य मुख्य रूप से आत्मबल, शक्ति, स्फूर्ति, आरोग्य, सफलता, सम्मान, धनलाभ, निर्भयता, इच्छाशक्ति, पिता, यश, कीर्ति, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, प्रशासन क्षमता, पदोन्नति आदि का कारक होता है। इन्हीं विषयों में सूर्य का शुभाशुभ फल प्राप्त होता है। फलदीपिका के अनुसार सूर्य 3, 6, 10 व 11 वें स्थान पर शुभ होता है। अत: अगले एक माह मिथुन, मीन, वृश्चिक व तुला राशि के जातकों के लिए सूर्य अत्यन्त शुभ फल प्रदान करेगा। अन्य राशियों के लिए भी सूर्य सामान्य शुभ होगा।

इस स्थायी स्तम्भ में किसी ग्रह विशेष का सामान्य फल प्रस्तुत किया जाता है। व्यक्ति विशेष के लिए सूक्ष्म विश्लेषण उसकी जन्मकुण्डली, दशान्तर्दशा आदि पर निर्भर करता है।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 81

कांवड़ यात्रा

पहले कुछ ही लोग किसी पवित्र नदी से कांवड़ में जल लाकर पैदल चलते हुए अपने निकट के शिव मन्दिर में जलाभिषेक किया करते थे । धीरे-धीरे सभी लोग जल लाने के लिए हरिद्वार तक जाने लगी । फिर कुछ लोग ;षिकेश से गंगाजल लाने लगे । अब तो बहुत से लोग कांवड़ भरने के लिए गंगोत्री तक चले जाते हैं और कुछ अति उत्साहित गंगोत्री के भी ऊपर गोमुख तक गंगाजल लाने के लिये जाने लगे हैं । पहले कुछ ही लोग कांवड़ लेकर चलते थे अब पिछले कुछ वर्षों से निरन्तर कांवड़ यात्रियों की संख्या दिनों-दिन बढ़ती चली जा रही है । अब तो यह स्थिति है कि राष्ट्रीय महामार्गों को वाहनों के लिए बन्द करके उनको किसी और वैकल्पिक मार्ग से भेजना पड़ता है और कांवड़ यात्री राष्ट्रीय महामार्ग पर चलते हैं । इस कांवड़ यात्र में अधिकतर नौजवान युवा ही होते हैं । पहले केवल पुरुष ही चलते थे, अब तो महिलाएँ भी कांवड़ लेकर चलने लगी हैं ।

लोग कांवड़ यात्र में गुट बनाकर, सामूहिक रूप से एक साथ चलते हैं । डीजे भयंकर रूप से बजाते हुए, जमकर डीजे पर डांस करते हुए चलते हैं । सड़क जाम हो जाती है । आसपास के लोगों को और अन्य यात्रियों को बहुत परेशानी होती है । अति उत्साह में आकर प्रबल साम्प्रदायिक भावना के करण कभी किसी रिक्शे वाले को पीटते हैं, किसी कार में तोड़ोड़ करते हैं, कभी पुलिस वालों को पीटते हैं तो कभी ढाबा लूट लेते हैं । रास्ते में पड़ने वाली मजार मस्जिद की तरु डीजे का मुँह करके तो खूब हुड़दंग काटते और नारेबाजी करते हैं । इस प्रकार रास्ते में कुछ या बहुत से कांवड़ यात्री उपद्रव करते हुए चलते हैं ।

क्या इसे हिन्दू धर्म अर्थात् सनातन मार्ग की उन्नति माना जा सकता है । अति हो जाने के कारण इस धालूमक आयोजन में अब अनुशासन और नियन्त्रण की आवश्यकता हो गयी है ।

-सरल

आपके पत्र

सरकार नए जिलों का शीघ्र गठन करे

उत्तराखण्ड राज्य की स्थापना 9 नवम्बर 2000 को हुई थी तब इसमें 13 जिले सम्मिलित हुए थे अब उत्तराखण्ड राज्य को गठित हुए 24 वर्ष हो गए हैं, तब से अब तक कोई भी नया जिले का गठन नहीं हो पाया है जबकि उत्तराखण्ड की जनता नए जिलों के गठन की आस लगाये बैठी है। 15 अगस्त 2011 को स्वतंत्रता दिवस के दिन तत्कालीन मुख्यमंत्रीरमेश चन्द्र पोखियाल 'निशंक' द्वारा चार नये जिले रानीखेत, डीडीहाट, कोटद्वार व यमुनोत्री के गठन की घोषणा की थी लेकिन उक्त घोषणा केवल हवाई साबित हुई क्योंकि श्री पोखरियाल स्वयं मुख्यमंत्री पद पर न तो स्वयं कायम रह सके और न ही नए जिलों का विधिवत गठन ही हो सका। तब से यह घोषणा अधर पर लटकी हुई है इसके पश्चात वर्तमान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सात नए जिलों के गठन का आश्वासन दिया था लेकिन यह आश्वासन भी कोरा साबित हुआ, उसकी अब कहीं चर्चा तक नहीं सुनाई देती है। यह मामला भी अभी तक अधर में लटका हुआ है। पता नहीं इस तरह कब तक प्रदेश की भोली भाली जनता को गुमराह किया जाता रहेगा। अपेक्षा की जाती है कि नए जिले की घोषणा जितना भी सम्भव हो सके, उसका निर्णय करके किसी शुभ मुहूर्त (15 अगस्त 2024) नए जिलों की विधिवत घोषणा करके जनता को एक नया तोहफा प्रदान कर देते तथा यह विधिवत प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति कर देते।

अहा अब के स्वतंत्रता दिवस
कितना सुन्दर होगा,
जिस दिन उत्तराखण्ड में नए जिलों का गठन होगा।

-नन्दा बल्लभ पाण्डे
ज्योलीकोट (नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

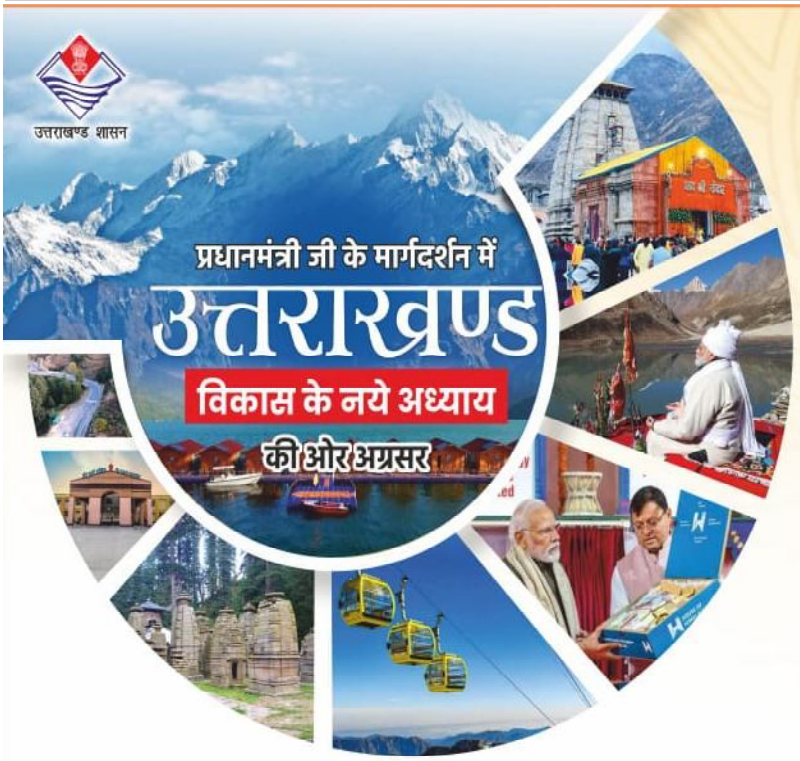

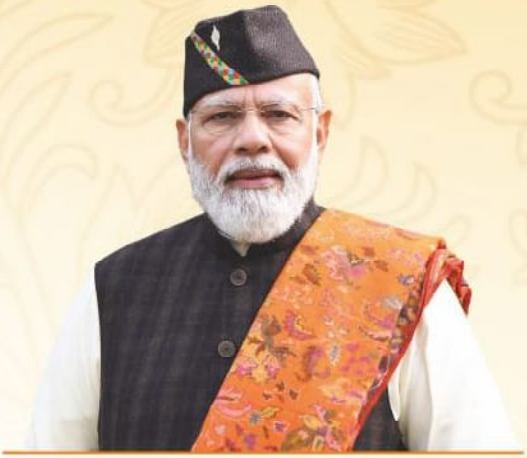

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हरसंभव प्रयास।
आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

"प्रधानमत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में उत्तराखण्ड समय के साथ परिवर्तनकारी विकास का साक्षी बन रहा है। अत्याधुनिक रोपवे परियोजनाओं के साथ-साथ रेलवे, सड़क और हवाई संपर्क की दिशा में प्रगति हो रही है। इससे उत्तराखण्ड में यात्रा और पर्यटन के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आ रहे हैं। ये बदलाव न केवल पर्यावरण अनुकूल हैं, बल्कि कुशल परिवहन भी सुनिश्चित करते हैं। ये राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देते हैं। आध्यात्मिक, रोमांचक और सांस्कृतिक पर्यटन के प्रभाव के चलते यह दुनिया भर के आगंतुकों के लिए एक पंसदीदा गंतव्य बन रहा है। हम सतत विकास के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। अपनी प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए एक समृद्ध कल की ओर देख रहे हैं।"

जय हिन्द-जय उत्तराखण्ड

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

विकसित भारत, विकसित उत्तराखण्ड

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर समिट - 2023 के दौरान राज्य सरकार के साथ कुल 3.5 लाख करोड़ रुपये के हुए निवेश समझौते। जिसमें 81 हजार करोड़ के समझौते की ग्राउण्डिंग।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में श्री केदारनाथ धाम का हुआ भव्य एवं दिव्य पुनर्निर्माण कार्य। बद्रीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत विकास कार्य गतिमान।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आदि कैलाश और जागेश्वर धाम के दर्शन के बाद मानसखंड यात्रा को मिली नई पहचान।
- चार धामों की कनेक्टिविटी के लिए ऑल वेदर रोड का हुआ निर्माण। ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेललाइन का निर्माण कार्य तथा टनकपुर-बागेश्वर रेललाइन सर्वे का कार्य गतिमान।
- नैनीताल जिले की बहुद्देशीय जमरानी बांध परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत मिली मंजूरी।
- उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम की लखवाड़ परियोजना को मिली मंजूरी।
- उत्तराखण्ड को दो वंदे भारत ट्रेन की मिली सौगात। देहरादून से दिल्ली एवं देहरादून से लखनऊ का सफ़र हुआ आसान।
- दिल्ली - देहरादून के बीच एलिवेटेड रोड के निर्माण कार्य तेजी से जारी, 2 से 2.5 घंटे में सफर होगा पूरा।
- पर्वतीय क्षेत्रों में रोपवे नेटवर्क निर्माण के लिये पर्वत माला परियोजना को मिली मंजूरी। केदारनाथ, हेमकुंड साहिब एवं पूर्णागिरी मंदिर तक रोपवे के निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास।
- उधमसिंहनगर के किच्छा क्षेत्र में एम्स के सैटेलाइट सेंटर का निर्माण कार्य गतिमान। वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत उत्तराखण्ड के सीमांत गावों का हो रहा चहुँमुखी विकास।
- जौलीग्रांट एयरपोर्ट एवं पंतनगर एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने हेतु कार्य गतिमान।
- प्रधानमंत्री ने दिया वेड - इन - उत्तराखण्ड का मंत्र। जिसके तहत राज्य सरकार नए वेडिंग डेस्टीनेशन का कर रही निर्माण।

नीति आयोग भारत सरकार की ओर से एसडीजी 2023-24 की रिपोर्ट जारी की गई है।
रिपोर्ट में उत्तराखण्ड ने सतत विकास लक्ष्यों की कसौटी पर खरा उतरते हुए पूरे देश में पहला स्थान हासिल किया है।

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी।
www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

घटगाड़ में पुल नहीं बन पाया है

मुनस्यारी। राथी नमजला के घटगाड़ नाले में आपदा के दौरान बहा पुल 6 साल बाद भी नहीं बन सतसा है। इससे ग्रामीणों में रोष है। चेटीचिमला के पूर्व ग्राम प्रधान मोहन दोसाद ने एसडीएम को ज्ञापन देते हुए कहा कि पुल न होने से स्कूल जाने वाले बच्चों को ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रह है। मानसून काल में उफनाते नाले में खतरा बना रहता है।

कठघरिया नहर कवरिंग होगी

हल्द्वानी। शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए सिंचाई नहरों को कवर लिया जा रहा है। अब कठघरिया से कमलुवागांजा तक नहर की कवरिंग होनी है। सिंचाई विभाग की ओर से इसके लिये 95.4 लाख रुपये का प्रस्ताव चार माह पूर्व शासन को भेजा गया था, जिसे मंजूरी मिलने का इन्तजार है। मंजूरी मिलते ही यह कार्य शुरू हो जायेगा।

तहसील भवन के लिये भूमि चयन

काशीपुर। नए तहसील भवन के लिए भूमि का चिन्हीकरण किया जा रहा है। डीएम ने काशीपुर पहुँचकर सिंचाई विभाग गेस्ट हाउस की भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया। असल में शहर के बीचोंबीच तहसील कार्यालय होने और आए दिन तहसील मार्ग पर जाम लगने के कारण लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसी कारण भवन के लिये यह कार्यवाही हो रही है।

अतिक्रमण को लेकर एसडीएम को ज्ञापन

टनकपुर। विवेकानन्द स्कूल के पास बरसात में होने वाले जलभराव को लेकर विष्णुपुरी, ज्ञानखेड़ा जनहित संघर्ष समिति ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए अतिक्रमण हटवाने की मांग की। समिति के महामंत्री परमानन्द जोशी ने जल भराव का मुख्य कारण नाले पर बनाई गई सड़क पर वार्ड 11 और वार्ड 4 में अतिक्रमण होना बताया है। शिष्टमण्डल ने कहा यदि जलभराव का समाधान नहीं हुआ तो निकाय चुनाव का बहिष्कार किया जायेगा।

देवीधुरा कालेज की समस्याएं बताई

चम्पावत। छात्र नेताओं ने देहरादून जाकर सीएम पुष्कर सिंह धामी को देवीधुरा कालेज की समस्याएं बताते हुए स्नातकोत्तर कक्षाओं के संचालन की मांग की। साथ ही बग्वाल मेले में आने का निमंत्रण भी दिया।

मूनाकोट में कालेज खोलने को प्रदर्शन

पिथौरागढ़। मूनाकोट में महाविद्यालय खोले जाने की मांग को लेकर क्रमिक अनशन जारी है। मूनाकोट में कालेज खोलने की मांग के लिये जोरदार आन्दोलन के बाद अन्य जगहों पर भी मांग की जाने लगी है।

काली-गोरी नदी के संगम पर घाट निर्माण और सौन्दर्यीकरण की मांग

पिथौरागढ़। काली और गोरी नदी के संगम पर घाट निर्माण और सौन्दर्यीरण की मांग को लेकर जौलजीवी से आए शिष्टमण्डल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा और गोरी नदी के मेलास्थल तटबन्ध के साथ मेल स्थल तक छोटे वाहनों के लिए सड़क की मांग की।

समाजसेवी शकुन्तला दताल के नेतृत्व में शिष्टमण्डल ने कहा कि सीएम इसके लिये घोषणा कर चुके हैं परन्तु अभी तक कार्य शुरू नहीं हुआ है। कहा कि जौलजीवी प्रसिद्ध पर्यटक स्थल है। यहाँ पर प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को अन्तर्राष्ट्रीय पौराणिक मेला लगता है। ऐसे में इस क्षेत्र की ओर भारत-नेपाल के सभी लोगों का ध्यान है। सीमान्त क्षेत्र से लेकर मैदान तक के लोगों की आस्था का यह संगम स्थल है। संगम स्थल पर घाट निर्माण सहित सौन्दर्यीरण होना चाहिये। भू कटाव के कारण पहले भी काफी नुकसान हो चुका है। अत: तटबन्ध निर्माण के अलावा इनकी निगरानी के लिये ठोस व्यवस्था होनी चाहिये। नदी से जुड़े अनगिनत गाँव हैं।

उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, ऋषिकेश, चम्पावत में बाईपास बनेंगे

प्रदेश के 5 प्रमुख स्थानों पर जल्द ही केन्द्र सरकार के सहयोग से बाईपास का निर्माण किया जायेगा। इस क्रम में यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर पालीगाड़ से जानकी चट्टी, रुद्रप्रयाग-गौरीकुण्ड राष्ट्रीय राजमार्ग पर अगस्त्यमुनि बाईपास, कुंड बाईपास के निर्माण की उच्च स्तरीय कमेटी ने अपनी स्वीकृति प्रदान की है। इसी प्रकार ऋषिकेश बाईपास व चम्पावत बाईपास के निर्माण को ओवर साइट कमेटी ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि इन मार्गों के निर्माण के चार धाम एवं चीन सीमा तक वाहनों का आवागमन सुचारू हो हो सकेगा।

लोनिवि मंत्री सतपाल ने सुभाष रोड स्थित कैम्प कार्यालय में राष्ट्रीय राजमार्ग व लोनिवि के अधिकारियों के साथ विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में बताया गया सड़क परिवहन मंत्रालय के निर्देश पर दुगड्डा से गुमखाल तक राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण के लिये डीपीआर तैयार की जा रही है ताकि कोटद्वार से पौड़ी होते हुए चारधाम जाने के लिए उचित मार्ग मिल सके। उन्होंने घुत्तु-पवालीकांठा-त्रियुगीनारायण-कालीमठ-च ैमास ी-सोनप्रयाग तक लोकल सर्किट मार्ग का निर्माण और यमुनोत्री मार्ग पर ओजरी टनल के निर्माण के निर्देश भी दिये।

मिलम-मलारी मार्ग खोलने को ज्ञापन

मुनस्यारी। टूर ऑपरेटर एसोसिएशन ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजते हुए जोहार घाटी के मिलम-मलारी मार्ग स्थ्िात परिताल (पार्वती ताल) को धार्मिक पर्यटन के लिये खोले जाने की मांग की है।

एसोसिएशन के तरुण जंगपांगी और प्रकाश रावत ने कहा कि प्रसिद्ध मिलम ग्लेशियर ट्रेकिंग के लिये जाना जाना जाता है। इसके आसपास पोटिंग, लास्पा, शलांग, ल्वां, नन्दाघुंटी, पाछू, तिम्फू समेत कई ग्लेशियर हैं। मिलम से आगे समगो, न्यू दुंग, पुराना दुंग, बसरस, पार्वती ताल आते हैं। धार्मिक मान्यता है कि एक बार शिव माता पार्वती के साथ अपने निवास स्थान कैलास पर्वत को जा रहे थे। पार्वती को यह सरोवर मनमोहक और आकर्षक लगा। उन्होंने इस सरोवर में स्नान करने का निश्चय किया। तब से इस सरोवर का नाम पार्वती ताल पड़ा। मान्यता है कि यहाँ स्नान और जलपान करने से मानव के कष्ट दूर होते हैं, नि:संतानों की मन्नत पूरी होती है।

पाताल भुवनेश्वर गुफा अक्टूबर तक बंद

गंगोलीहाट। स्वास्थ्य और सुरक्षा की दृष्टि से विश्व प्रसिद्ध पाताल भुवनेश्वर गुफा में अगस्त से 15 अक्टूबर तक पर्यटकों का प्रवेश नहीं होगा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीक्षक के आदेश पर मन्दिर कमेटी ने ढाई महीने के लिये गुफा को बन्द करने का निर्णय लिया। 1 अगस्त से यह गुफा बन्द हो चुकी है। मन्दिर कमेटी के अध्यक्ष नीलम भण्डरी ने बताया कि बरसात के समय गुफा के अन्दर ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। अन्दर चारों ओर काई जमने से फिसलन भी बढ़ जाती है। पानी अधिक होने से गुफा में परेशानी को देखते हुए मन्दिर कमेटी ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग से गुफा को बरसात के समय बन्द करने की अनुमति मांगी थी। अब ढाई महीने तक गुफा बन्द होने से वहाँ गाइड का काम कर रहे 20 युवा बेरोजगार रहेंगे। लेकिन पर्यटकों की सुविधा को देखते हुए यह निर्णय जरूरी हो गया था।

मूल्यांकन में लापरवाह कर रहे नुकसान

नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय की उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन में एक बार फिर से लापरवाही का पता चला है। इस प्रकार की लगातार शिकायतों के बाद लापरवाहों पर कड़ी कार्रवाई की बात कही जा रही है। यह बहुत ही गम्भीर मामला है क्योंकि कापी जाँचने को भी धन्धा मानने वालों ने बच्चों का नुकसान किया है। परीक्षाफल की नकल मांगने पर कई खुलासे हुए हैं। यह बहुत ही गलत बात है कि बिना पढ़े-बिना देखे कापियों में नम्बर दे दिये जाते हैं। जिससे मेधावी विद्यार्थियों के साथ खिलवाड़ होता है। मूल्यांकन में गड़बड़ी पर हल्द्वानी सहित अन्य स्थानों पर छात्रों ने प्रदर्शन भी किया है। एसएसजे विवि अल्मोड़ा में भी परीक्षाफल में बहुत गड़बड़ियां उजागर हुई हैं।

सक्रिय हो चुके हैं विधायक सुमित

हल्द्वानी। विधायक सुमित हृदयेश की सक्रियता बनी हुई है और वह लगातार सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। अब उन्होंने आपदा प्रबन्धन में सरकार को पूरी तरह फेल बताया है। वह कहते हैं कि जिस ऑलवेदर रोड को लेकर केन्द्र से लेकर राज्य सरकार बड़े-बड़े दावे करती थी उस सड़क का हाल किसी से छिपा नहीं है। केदारनाथ बाबा के साथ छल हुआ और 125 करोड़ लागत के सोने के चढ़ावे का कोई अता-पता नहीं है। हल्द्वानी में जाम की बात कर सड़क चौड़ीकरण के नाम पर पेड़ कटान हुआ है। इससे बेहतर होता आईएसबीटी और रिंग रोड की सौगात दी जाती।

असल में स्व. इन्दिरा हृदयेश के बाद सुमित विधायक तो बन गये लेकिन जनता के बीच उनकी धांकड़ छवि नहीं बन पाई। आने वाले समय में अपने दब-दबाव के लिये वह लगातार किसी न किसी मसले को लेकर जनता के बीच हैं।

सड़क एलाइनमेंट को लेकर प्रदर्शन

थरासी। देवाल ब्लाक के बोरागाड़-चौड़ मोटर मार्ग से कोटेड़ा मोटर मार्ग के एलाइन्मेंट को बदलने के लिए कोटेड़ा गाँव के लोगों ने तहसील में प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि उनके ग्राम के लिए तीन किमी मोटर मार्ग को पीएमजीएसवाई कर्णप्रयाग डिविजन द्वारा अनुसूचित बस्ती के ऊपरी भाग से काटा जा रहा है, जिससे बस्ती को किसी प्रकार का लाभ नहीं है। कहा या तो नीचे से सड़क निर्माण हो अथवा सड़क का नाम बदलकर निर्माण किया जाए।

उपराड़ी गांव में रहेंगे बाबा बौखनाग

नौगांव। यमुना घाटी और गंगा घाटी के महादेव बौखनाग इस बार एक वर्ष तक उपराड़ी गांव में ही रहेंगे। इसके लिये विशाल भण्डारे के साथ ही नवनिर्मित मन्दिर बनाया गया है। समिति के अध्यक्ष जयेन्द्र सिंह रावत ने बताया कि पहली बार गांव में मन्दिर बना है। इस अवसर पर पाण्डव व रवाई नृत्य भी होंगे।

परिक्रमा

चौड़ाढेक सुंई मोटर मार्ग सुधार की मांग

लोहाघाट। सुई बिशुंग के प्रसिद्ध आषाढ़ी वायुरथ उत्सव को देखते हुए क्षेत्रवासियों ने बदहाल चौड़ढेक-सुई शिव मन्दिर मोटर मार्ग को सुधार की मांग की है। आयोजन समिति के अध्यक्ष संजय चौहान ने जिलाधिकारी नवनीत पाण्डे को ज्ञापन भी प्रेषित किया।

मेडिकल कालेज छात्रों पर सख्ती

हल्द्वानी। मेडिकल कालेज में वाहन दौड़ा रहे छात्रों पर सख्ती कर दी गई है। ऐसे में बाइक-स्कूटी रखने पर मेडिकल छात्रों को हॉस्टल छोड़ना होगा। असल में बार बार शिकायत मिल रही थी कि कालेज और छात्रावास परिसर में बाइक-स्कूटी दौड़ाने से दिक्कत हो रही है। ऐसे में कालेज प्रशासन ने छापामारी करते हुए 40 वाहन पकड़े। मेडिकल कालेज ने छात्रों को आने-जाने के लिये बस का इन्तजाम कर रखा है ताकि छात्रों को अपने वाहन की जरूरत न पड़े।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
7351285555
नरेन्द्र सिंह रावत

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत
होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल
भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236 8958525979, 9411134775

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House-
Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From
Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

प्रथम पृष्ठ का शेष....

यातायात सुचारु किया लेकिन बरसात के दिनों में बार-बार दिक्कत है।

बलुवाकोट के गागरा में भी भूस्खलन

जौलजीवी। बलुवाकोट के गागरा नामक स्थान पर भी बारिश के चलते भूस्खलन से आफत बनी हुई है। बीआरओ ने सड़क को सुचारु किया लेकिन इस मार्ग पर यात्रियों को बहुत सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि बलुवाकोट के पास किसी भी समय मलबा आ सकता है।

भैंसकोट का बासानी गाँव को खतरा

थल/नाचनी। मूसलाधार बारिश से तेजम तहसील के भैंसकोट क्षेत्र का बसानी गाँव भूस्खलन की चपेट में है। इससे चलारी तोक के 6 मकानों को खतरा है। चामी भैंसकोट में भूस्खलन रुक नहीं रहा है। हरड़िया के नया बस्ती में सड़क भी बन्द हुई, जिसे खोल दिया गया है।

जागेश्वर में पुल बहा, पार्किंग ध्वस्त

दन्या। जागेश्वर क्षेत्र में मूसलाधार बारिश से नुकसान हुआ है। जटागंगा के उफान से पैदल पुल बह गया। हालात देखते हुए धौलछीना-सेराघाट मार्ग पर यातायात रोकना पड़ा। सड़कें अभी भी मलबे से पटी हुई हैं। बारिश के कारण म्यूजियम के सामने वाली पार्किंग भी क्षतिग्रस्त हो गई। आरतोला जागेश्वर मार्ग को काफी नुकसान हुआ है। पनुवानौला मार्ग में भी मलबा आने से व्यवधान हुआ।

कालाढूंगी-चकलुवा में नालों की रौद्रता

हल्द्वानी। मूसलाधार बारिश से कालाढूंगी और चकलुवा में नालों की रौद्रता देखी गई। हल्द्वानी-देहरादून राजमार्ग में चकलुवा के पास निहाल नाले के तेज बहाव में पुलिया बह गई और सड़क का आधा हिस्सा नाले में समा गया। ऐसे में वाहनों को चकलुवा गाँव से भेजा गया। आकाशीय बिजली से विदरामपुर चकलुवा में एक घर क्षतिग्रस्त हो गया। कालाढूंगी रिजार्ट में जा रहे पर्यटकों की कार मेथी शाह नाले में बह गई। कार सवार बाल बाल बचे। कोटाबाग में नाले के तेज बहाव से खेतों में नुकसान हुआ है।

हल्द्वानी में नालों ने किया है ताण्डव

हल्द्वानी। रकसिया और कलसिया नाले का इस बार भी खूब ताण्डव हुआ है। बचाव इन्तजाम के बाद भी वाहनों के बह जाने, पानी भर जाने का क्रम जारी है। शनि बाजार में नाले के उफनाने से इन्दिरानगर परिवार का आठ वर्षीय बालक रिजवान बह गया।

गड़प्पू नदी उफनाई, घरों में पानी-पानी

बाजपुर। बारिश के समय गड़प्पू नदी व आस-पास के नाले उफनाने से जबरान, हुलसनगंज, णरखण्डी आदि गाँवों में पानी भर गया। घरों में पानी-पानी होने से लोग बेहद परेशान हैं। बाढ़ ने खेतों में खड़ी फसल को भी नुकसान पहुँचाया है। आन्तरिक मार्ग भी क्षतिगस्त हो चुके हैं और जगह-जगह मलबा भरा हुआ है।

केदारनाथ यात्रा मार्ग का खौफनाक मंजर

रुद्रप्रयाग। बादल फटने के बाद आपदा का खौफनाक मंजर केदारनाथ मार्ग में दिखाई दे रहा है। यात्रामार्ग पर जिस तरह से प्रलय बनकर उथल-पुथल हुई उससे सारे दुकानदार अपनी दुकानें बन्द कर जंगल को भाग गये। भारी मलबे ने हालात खराब कर दिये हैं। मन्दाकिनी नदी के सैलाब ने गौरीकुण्ड स्थित गर्मकुण्ड का नामोनिशान मिटा दिया है। जून 2013 की आपदा से पहले तक गौरीकुण्ड से ही केदारनाथ यात्रा का संचालन होता था।

चौखुटिया, देघाट में घरों में घुसा पानी

अल्मोड़ा। भारी बारिश से चौखुटिया, देघाट, धौलछीना में मकानों में पानी घुसने से नुकसान हुआ है। घरों में पानी घुसने से लोग रातभर सो नहीं सके। खेतों में भी पानी भर गया है। धौलछीना में रामलीला मैदान के पास कलमठ बन्द होने से मलबा अस्पताल के आवासीय भवनों में घुस गया। बागेश्वर में सरयू गोमती का जल स्तर बढ़ने से खतरनाक दिखाई दिया। द्यौनाई निवासी माया देवी का आवासीय मकान सहित अन्य के मकानों में आंशिक रूप से क्षति हुई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल
9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)